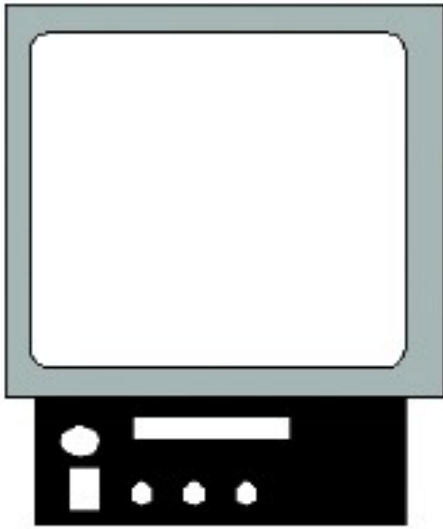


# टी.वी छोटकन-बडकन के जीवन में एक स्थान बनाए बा।



## थोडा अच्छा ज्यादा खराब

ज्यादातर लडिक्यॉ टी.वी से बहुत ज्यादा प्रभावीत भयलं बाएन। डॉ. शर्मा ई विषय में बिकानेर क 5 से 15 साल के 100 लडिक्यॉ अऊर ओनकर महतारी-बापे से मुलाकत किहेन, जेकर जानकारी निचे दिहलं बा।

### प्र.1 टी.वी काहीके देखथेन?

1) मनोरजन अऊर मौज बीना-90 टक्का।

2) सब देखथ ऐथा बीना-75 टक्का।

3) कवनव काम नाय बा-40 टक्का।

4) जानकारी अऊर ज्ञान बीना-10 टक्का।

### प्र. 2) टी.वी कब अऊर काहिके बंद करथेन?

1) महतारी-बाप पढ़य बीना कहथेन तब- 60 टक्का।

2) महतारी-बाप टी.वी देखत दर्ईयॉ गुस्सा करथेन तब-50 टक्का।

3) बिजली जाथ तब- 50 टक्का।

4) खराब तबियत के वजह से- 20 टक्का।

**प्र. 3-टी.वी कब, केतना, कईसे देखथेन?**

अ) 90 टक्का लडिक्याँ रोज टी.वी देखथेन।

50 टक्का लडिक्याँ रोज एक घन्टा से ज्यादा टी.वी. देखथेन। 25 टक्का लडिक्याँ स्कूल के बाद पुरा समय टी.वी देखथेन।

क) 50 टक्का पढ़ाई करत दईयाँ टी.वी देखथेन।

( ई गलत बा ऐसे पढ़ाई नाय होत।)

3) लडिक्याँ का देखथेन?

1) लोकप्रिय सिरियल-30 टक्का।

2) गाना-25 टक्का।

3) रियालिटी शो- 30 टक्का।

4) स्पोर्टस् - 5 टक्का।

5) सिनेमा- 9 टक्का।

6) काटून्स् - 15 टक्का।

7) समाचार- 2 टक्का।

8) विज्ञापन- 10 टक्का।

9) अन्य-30 टक्का।

**टा.वी से मनकदिशा मे बहुत बदलाव-**

1) झगडालू, मार-पीट,अऊर हिन्सात्मक व्यवहार- 60 टक्का।

2) असभ्य भाषा, गाली-गलौच- 10 टक्का।

3) स्कूली के रिजल्ट में गिरावट-80 टक्का।

4) तनाव में अभिवृद्धि- 5 टक्का।

5) लगन से कामकरब, पढ़ाई में कमी।

टी.वी से रोजके कार्य में असर।

1) मैदानी खेलेमें कमी- 40 टक्का।

2) खाए-पीयय में बदलाव-70 टक्का।

3) सोव्यके समय में बदलाव-40 टक्का।

4) सीगरेट, दारू पीययक ईच्छा मे बढोतरी-10 टक्का।

5) फहनावा में बदलाव- 10 टक्का।

लौंगिता क समझ जल्दी आवथ। लौंगिक संदर्भ बढ गयल बा। टी.वी. के चकाचौधं दुनियाँ लडिक्यन क जीवन प्रभावित कय दिहेस बा।

**हमार सककर खुद क अनुभव-** हमार बिट्टियाँ 6 वी कक्षा मे रहील, तब हमसभे केबल लगवाए ह। रोज हमसभे राती के 9 से 12 बजेतक क सीनेमा देखत रहेहं। ओकर परिणाम ई भयल की छमाही परीक्षा में हमार बिट्टियाँ के प्रतिफल नं 3 से 36 नंम्बर पर आय गईन। क्लास

टिचर बताईन कि ई बिट्टियाँ क्लास में हमेशा सुस्त रहथीन।

हमसभे केवल कनेकश्व निकल वाय दिहेह, ओकरे बाद हमरे बिट्टियाँ क पढाई अऊर घर गृहस्थि सही रास्ता से चलय लगी। अब हमार बिट्टियाँ डॉक्टर बन गईल बा।

### **सबके बीना सबक-**

सबरे में प्रोग्राम देखब अच्छा बा। राती में सीरियल अऊर विज्ञापन के सही जानके लडिक्यन ऊही तरीका क बर्ताव करथेन। टी.वी. में दर्शायल, दिखावल गयल दृश्यों से लडिक्यन के बचाव्य।

लडिक्यन के? घंटा से ज्यादा टी.वी नाही देखयं के चाही। बडकन तथा महतारी-बापके लडिक्यन के साथटी.वी देखय के चाही। देखल गलय प्रोगाम के बारे में बात करयं के चाही। जवन कुछ भला-बुरा, सत्य

असत्य होई औके लडिक्यन के समझायेंके चाही।

रोज टी.वी पे अच्छा प्रोग्राम जरूर देखयं। आनंद से देखय शांती से। विवेक क मतलब गलत के त्याग के अच्छा के अपनाऊब। जवने प्रकार राजहंस पक्षी, पानी के त्याग के त्याग कर दूधे क ग्रहण करथेंन, ठीक वर्इसन हीं।

आजकल टी.वी पे अईसन प्रोग्राम दिखावथेेन जेकर 90 प्रतिशत लडिक्यन पे बूरा असर पड़थ। ऐकरे बीना जरूरी बा की आयज से उठजायं, जवने की

अपने लडिक्यन पे ई बुराई क असर न पड़य देय।



कानेमें गनसे क्षण में छेद होथ। आधा घंटा पहिले-प्रिलॉक्स मलम लगाव त बिना दर्द हुवे होथ।